विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी ***दिनांक-30/06/2020***
वर्ग-तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
पाठ-8 (ऊटी से पत्र)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने ऊटी से पत्र का शेष भाग पढ़ा। हमें पूर्ण विश्वास है की आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज की कक्षा में आपको उसी कहानी का सारांश जानना है। जो कि इस प्रकार है। :—

प्रस्तुत कहानी का भावार्थ यह था की लेखक अपने मित्र को पत्र लिखते हैं और बताते हैं कि तुम्हारा पत्र मिला। गरमी की छुट्टी में तुम ऊटी आ रहे हो यह जानकर ख़ुशी हुई। ऊटी को उदकमंडलम भी कहते हैं। यह नीलगिरी की पहाड़ियों पर बसा एक सुंदर पर्वतीय स्थल है। पूरे भारत के लोग यहाँ घूमने आते हैं।
ऊटी आने के लिए इसके आसपास घूमने के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिल जाती हैं। वैसे इस शहर में पैदल घूमना ही अच्छा लगता है। यहाँ पहाड़ी पर सेंट स्टीफ़न चर्च है। चर्च बनवाने के लिए लकड़ियाँ टीपू सुल्तान के महल से लाई गई थीं। यहाँ नौका विहार करने में ख़ूब आनंद आएगा। ऊटी के निकट ही मदमलाई राष्ट्रीय उद्यान है। ऐसे ही और जगह हम सब साथ-साथ घूमने चलेंगे।

गृहकार्य :—

बच्चों कहानी के सारांश को अपनी उत्तर पुस्तिका में सुंदर अक्षरों में लिखें तथा समझने का प्रयास करें।